यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2022

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 11 आगम

अंक 100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

प्रश्न 1. अगर इस गाथा का पहला चरण यह है तो अगली गाथा का पहला चरण क्या होगा? **10**

इस गाथा का पहला चरणा	अगली गाथा का पहला चरण
1. ओगाहणाए सिद्धा	.....
2. काल छंदोवयारं च	.....
3. अप्पणट्ठा परट्ठा वा	.....
4. अलोलुए अक्कुहए अमायी	.....
5. इइ इत्तरिययम्मि आउए	.....
6. अरई गण्डं विसूइया	.....
7. अवि पाव परिक्खेवी	.....
8. जहा से नगाण पवरे	.....
9. सिद्धत्ति य बुद्धत्ति य	.....
10. संजोगा विप्पमुक्कस्स	.....

प्रश्न 1. लाईन पूरी कीजिए- **15**

1. ज्ञानदर्शन ..... वीर्याणि च।
2. नैगम ..... नयाः।

3. तन्मध्ये ..... जम्बूद्वीपः।

4. वर्तना ..... कालस्य।

5. स्थिति ..... विषयतोऽधिकाः।

6. वसे ..... उवहाणवं।

7. कलुणा ..... परिगया।।

8. चरे ..... स पुज्जो।

9. अवसोहिय ..... महालयं।

10. कलह ..... अभिजाइए।।

11. फुसइ ..... णियमसो सिद्धो।

12. विशुद्धि क्षेत्र ..... पर्याययोः।

13. गति ..... हीनाः।

14. सिद्धस्स ..... हवेज्जा।

15. तिण्णो हु ..... तीरमागओ।

प्रश्न 3. गाथाओं का अर्थ लिखिए– **30**

1. तदनन्तभागे मनः पर्यायस्स।

.....

.....

2. प्रदेशतोऽसंख्येगुणं प्राक् तैजसात्।

.....

.....

3. नृस्थिति परापरे त्रियल्योपमान्तर्मुहूर्ते।

.....

.....

4. मेरुप्रदक्षिणा नित्यगतयो नृलोके।

.....

.....

5. भेदसंघाताभ्यां चाक्षुषाः।

.....

.....

6. दीहं वा हस्सं वा, जं चरिमभवे हवेज्ज संठाणं।
तत्तो तिभागहीणं, सिद्धाणोगाहणा भणिया।।

.....

.....

7. जह णाम कोइ मिच्छो, नगरगुणे बहुविहे वियाणतो।।
न चएइ परिकहेउं, उवमाए तहिं असंतीए।।

.....

.....

8. जे य चंडे मिए थद्धे, दुव्वाई नियडी सढे।
वुब्भई से अविणीथप्पा, कट्ठं सोयगयं जहा।।

.....

.....

9. दुग्गओं वा पओएणं, चोइओ वहई रहं।।
एवं दुब्बुद्धि किच्चाणं, वुत्तो वुत्तो पुकुल्लई।।

.....

.....

10. अवण्णवायं च परम्मुहस्स, पच्चक्खओ पडिणीयं च भासं।
ओहारिणिं अप्पियकारिणं च, भासं न भासेज्ज सया, स पुज्जो।।

.....

.....

11. कुसग्गे जह ओसबिन्दुए, थोवं चिट्ठइ लम्बमाणए।।
एवं मणुयाव जीवियं, समयं गोयम! मा पमायए।।

.....

.....

12. परिजूरइ ते सरीरयं, के सा पण्डुरया हवन्ति ते।
से सव्वबले य हायई, समयं गोयम! मा पमायए।।

.....

.....

13. जहा करेण परिकिण्णे कुंजरे सट्ठिहायणे।

बलवन्ते अप्पडिहए एवं हवइ बहुस्सुए।।

.....

.....

14. जहा से तिमिर विद्धंसे, उत्तिट्ठन्ते दिवायरे।

जलन्ते एव तेएण एवं हवइ बहुस्सुए।।

.....

.....

15. द्रव्याश्रया निर्गुणा गुणाः।

.....

.....

प्रश्न 4. प्रश्नों के उत्तर लिखियेः- **15**

1. नैगमनय और शब्दनय के कितने भेद है उनके नाम भी बताओ।

.....

.....

2. प्रमाण और नय में अन्तर बताओ।

.....

.....

3. सिद्ध और बुद्ध किसे कहते है परिभाषित कीजिए।

.....

.....

4. जीव के स्वतत्व क्या है और कौन-कौन से है।

.....

.....

5. जीवों का उपकार बताइये?

.....

.....

6. श्री गौतम स्वामी सिद्धि गति को कैसे प्राप्त हुए?

.....

.....

7. शिक्षाशील के आठ स्थानों में से छठा और आंठवा स्थान कौनसा है बताइये।

.....

.....

8. कौनसे देश का घोड़ा प्रधान और वेग में तेज होता है?

.....

.....

9. कौनसा ब्राह्मण अग्नि की शुश्रूषा करता हुआ जाग्रत रहता है?

.....

.....

10. गीतार्थ का दूसरा नाम क्या है?

.....

.....

प्रश्न 5. नीचे दिये हुए गाथाओं में से अगर कोई पद गलत हो तो, उसे रेखांकित करे और कोष्ठक में 'गलत' लिखिए। अगर गाथा सही हो तो कोष्ठक में 'सही' लिखिए। 10

1. णंताहिं वग्गवगूहिं ( )
2. मति श्रुतयोर्निबन्धः सर्वद्रव्येष्वसर्वपर्याशेषु ( )
3. परं परं सूक्ष्मम् ( )
4. नारकाणां चतुर्भाग ( )
5. अणव स्कन्धाश्च ( )
6. खवित्तु कम्मं गइमुत्तमं गया ( )
7. चरे मुणी पंचजए तिगुत्तो ( )
8. ओइण्णो सि पह महालयं ( )
9. जहा से संयभूरमणे उदही अक्खओदए ( )
10. आधशब्दौ त्रिभेदौ ( )

प्रश्न 6. सही क्रम चुनिए (जैसे B,D,A,C,E) अगर एक भी क्रम गलत हो तो पूरा उत्तर गलत माना जाएगा। 5

1. ण य पावइ मुत्तिसुहं, णंताहिं वि वग्गवग्गूहिं
2. सिद्धस्स सुहो रासी, सव्वद्धापिंडिओ जइ हवेज्जा
3. एया खलु सिद्धाणं, जहण्ण ओगाहणा भणिया
4. इय सव्वकालतिता, अतुलं निव्वाण-मुवगया सिद्धा
5. अण्णोण्ण समोगाढ़ा, पुट्ठा सव्वे य लोगंते।

उत्तरः– सही क्रम (, , , ,)

प्रश्न 7. निम्न अर्थ को पढ़कर गाथा लिखिए **10**

1. भवप्रत्यय–अवधिज्ञान नैरयिकों और देवताओं को होता है।

.....

.....

2. औपशमिक, क्षायिक, मिश्र–क्षयोपशमिक, औदारिक और परिणामिक ये पाँच भाव जीव के स्वतत्व हैं।

.....

.....

3. वे नैरयिक नित्य अशुभतर लेश्या, परिणाम, शरीर, वेदना और विक्रिय वाले है।

.....

.....

4. इसी प्रकार लोक में जो नर–नारी सुविनीत होते हैं, वे ऋद्धि को प्राप्त कर महायशस्वी बने हुए सुख का अनुभव करते हुए देखे जाते हैं।

.....

.....

5. प्रबुद्ध, उपशान्त और संयत होकर तू गाँव और नगर में विचरण कर, शांति मार्ग की संवृद्धि कर। गौतम! इसमें समयमात्र का भी प्रमाद न करे।

.....

.....

प्रश्न 8. मैं कौन–सा चरण हूँ? (पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा) **5**

1. उत्तिट्ठन्ते दिवायरे –
2. हिरिमं पडिसंलीणे –
3. मा वन्त पुणो वि आइए –
4. वेराणु बंधीणि महब्भयाणि –
5. निद्देसवत्ती पुण जे गुरुणं –